लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 22 February 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

परंपरागत डिग्रीधारकों को भी अब भा रही विदेशी नौकरी

वर्ष 2020 से पहले हर साल बनतीं थीं बमुश्किल 50 ट्रांसक्रिप्ट, अब हर साल बन रहीं 600 से ज्यादा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। डॉक्टर और इंजीनियरिंग डिग्रीधारकों में विदेशी नौकरी के प्रति हमेशा से काफी क्रेज रहा है। दूसरी ओर एमए और बीए जैसी परंपरागत डिग्रीधारक देश में नौकरी और रोजगार के अवसर तलाशते रहे हैं। कोविड-19 महामारी के बाद इसमें बड़ा बदलाव देखा जा रहा है। लविवि से परंपरागत पाठ्यक्रम की पढ़ाई करने वाले काफी विद्यार्थी अब विदेश में नौकरी का रुख कर रहे हैं।

यही वजह है कि वर्ष 2019 के बाद से विवि से ट्रांसक्रिप्ट बनवाने वालों का आंकड़ा साल दर साल बढ़ता जा रहा है। कोविड से पहले के आंकड़ों से तुलना करें तो अब तक इसमें दस गुना से ज्यादा की बढोतरी आ चुकी है।

लखनऊ विवि में कोविड महामारी से पहले तक हर साल ट्रांसक्रिप्ट के आवेदन बमुश्किल 50 होते थे। वर्ष 2020 में लॉकडाउन खुला तो इसमें अचानक तेजी आ गई। साल 2020 में 602 ट्रांसक्रिप्ट जारी हुई थीं। साल 2021 में 656 तो वर्ष 2022 में 690 डिग्रीधारकों को ट्रांसक्रिप्ट जारी हुई। इस साल अभी परीक्षा होनी हैं। इसलिए बीते साल में डिग्री हासिल करने वाले इक्का-दुक्का डिग्रीधारक ही ट्रांसक्रिप्ट के लिए आवेदन कर रहे हैं। अप्रैल के बाद इसमें तेजी देखने को मिलेगी। अभी तक ट्रांसक्रिप्ट जारी करने का ज्यादातर काम इंजीनियरिंग और चिकित्सीय के साथ ही अन्य प्रोफेशनल संस्थान में ही होता था। अब यह नया चलन देखने को मिल रहा है।

क्यों पड़ती है ट्रांसक्रिप्ट की जरूरत

हर देश में प्रचलित डिग्री और उनके नाम में काफी अंतर होता है। किसी व्यक्ति ने अपनी डिग्री में किन विषय और सामग्री का अध्ययन किया है, इसकी जानकारी के लिए ट्रांसक्रिप्ट की जरूरत होती है। ट्रांसक्रिप्ट में इसका पूरा ब्योरा अंग्रेजी भाषा में दर्ज होता है। लविवि में ट्रांसक्रिप्ट के साथ ही अंग्रेजी भाषा में डिग्री लेने के लिए भी अलग से आवेदन करना होता है। लविवि अपने अंकपत्र भले ही अंग्रेजी में देता हो पर, परंपरागत रूप से अपनी डिग्री हिंदी में ही जारी करता है।

जल्द तैयार कराकर देते हैं ट्रांसक्रिप्ट

ट्रांसक्रिप्ट की जरूरत हर छात्र को नहीं पड़ती है। विदेश में नौकरी पाने वाले विद्यार्थी ही इसकी मांग करते हैं। उनकी जरूरत के अनुसार, जल्द से जल्द उनको ट्रांसक्रिप्ट जारी कर दी जाती है।
- विद्यानंद त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक, लविवि

बढ़ रहे हैं मौके

अच्छी बात है कि लविवि के विद्यार्थियों के लिए देश के साथ ही विदेशों में भी नौकरी के अवसर बढ़ रहे हैं। ट्रांसक्रिप्ट बनवाने वालों की संख्या में लगातार इजाफा होना, इसका प्रमाण है। लविवि अपनी एल्युमिनाई एसोसिएशन के सहयोग से विद्यार्थियों को नौकरी तलाशने में और मदद मुहैया कराएगा।
- डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता लविवि

नामीबिया के छात्र बोले- तांगी यूनेन

लविवि में मातृभाषा दिवस पर विदेशी छात्रों के लिए किया गया आयोजन। -संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

लविवि में विदेशी छात्रों के लिए मातृभाषा दिवस पर आयोजन

लखनऊ। लविवि का ऑफिस फॉर इंटरनेशनल अफेयर्स कार्यालय मंगलवार को विदेशी भाषाओं से गुलजार रहा। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के मौके पर विदेशी विद्यार्थियों के लिए आयोजित कार्यक्रम में नामीबिया की छात्रा सेल्मा ने अपना नाम बताने के बाद अपनी मातृभाषा में 'तांगी यूनेन' कहने के बाद अंग्रेजी में इसका अर्थ धन्यवाद बताया, तो वहां तालियां गूंज उठीं।

कार्यक्रम के दौरान बारी-बारी से सभी विदेशी विद्यार्थियों ने अपनी मातृभाषा में कुछ शब्द बोले और अंग्रेजी में उनका अर्थ भी बताया। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विदेशी विद्यार्थियों से कहा कि मातृभाषा हमें खुद से जोड़ती है। डीन एकेडमिक्स और अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि मातृभाषा के भावों को वैश्विक स्तर पर प्रसारित कर हम बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं। इंटरनेशन स्टूडेंट एडवाइजर प्रो. आरपी सिंह के अलावा मॉरीशस की नंदिनी जोमुख, अफगानिस्तान के अहमद गुल, मुल्ला सलंगी, तजाकिस्तान के खोदाजेव इस्कंदर, मो. मोहसीन, जमीरा, तखमीना, लेसोथो की मत्लान्का जस्तिना समेत करीब 50 स्टूडेंट मौजूद रहे।

NBT PAGE 4

लविविः अर्थशास्त्र विभाग में आयोजित व्याख्यान में वीसी ने दिए टिप्स

सफलता के लिए ग्राहक की मांग का रखें ध्यान

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

एलयू के व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग में मंगलवार को वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने 'कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट फॉर सस्टैनेड सक्सेस' पर व्याख्यान देकर बीएन चटर्जी व्याख्यान श्रृंखला का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि ग्राहक की मांग और क्रय व्यवहार पर सफलता के लिए फोकस रखना आवश्यक है। इस मौके पर विभागाध्यक्ष प्रो. रचना मुजू सहित अन्य शिक्षक व छात्र उपस्थित रहे।

मनाया मातृभाषा दिवस उत्सव

एलयू के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस उत्सव काव्योम के तत्वावधान में मनाया गया। इस मौके पर प्रो. वाईपी सिंह ने कहा कि मातृभाषा में संवेदना और प्रगाढ़ता अधिक होती है। ग्राम्य जीवन की सुगंध मातृभाषा में ही मिलती है। वहीं प्रो. पवन अग्रवाल ने कहा कि अनौपचारिक भाषा के रूप में मातृभाषा का सम्मान करते हुए विश्व पटल पर अपनी पहचान बनाने के लिए औपचारिक भाषा को सीखने की भी जरूरत है।

स्नातक विषम सेमेस्टर के एडमिट कार्ड जारी

■ **एनबीटी सं, लखनऊः** एलयू स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत बीए, बीबीए, बीकॉम पांचवे सेमेस्टर और बीकॉम (ऑनर्स) विषम सेमेस्टर 2022 की परीक्षाएं 23 से शुरू होंगी। इसके मद्देनजर मंगलवार को प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि 23 से शुरू होने वाली परीक्षाओं में 50 हजार से अधिक परीक्षार्थी शामिल होंगे। वहीं प्रवेश पत्र जारी होने के पहले दिनभर महाविद्यालयों के छात्र अपनी शिकायतों के निदान के लिए एलयू पहुंचे। छात्रों के परीक्षा फॉर्म में रोल नंबर, गलत विषय भरने जैसी समस्याएं थी।

कविता पाठ का आयोजन

■ **एनबीटी सं, लखनऊः** एलयू के दर्शन शास्त्र विभाग में विश्व प्रसिद्ध चित्रकार सैयद हैदर रजा के जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर रजा फाउंडेशन के सहयोग से कविता पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. रजनी श्रीवास्तव ने की। कवि नरेश सक्सेना ने कविताएं सुनाई। वहीं पूनम सिंह, डॉ. संध्या सिंह, सुभाष राय, अनिल त्रिपाठी ने भी अपनी कविताएं सुनाईं।

परीक्षा शुल्क के लिए प्रदर्शन

एलयू में एनएसयूआई के सदस्यों ने मंगलवार को प्रशासनिक भवन का घेराव कर धरना-प्रदर्शन किया। उनकी मांग थी कि एलयू एक समान परीक्षा शुल्क लागू करे। प्रॉक्टर राकेश द्विवेदी और रजिस्ट्रार संजय मेधावी ने प्रदर्शनकारियों को समझाकर शांत कराया।

कुलपति ने दी छात्र को बधाई

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कला एवं शिल्प महाविद्यालय में एमवीए प्रथम सेमेस्टर मूर्तिकला के छात्र शिवम सिंह को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इंडिया बुक आफ रिकार्ड बनाने पर बधाई दी। शिवम ने 200 किलो थर्माकोल से 20 फीट लंबी, सात फीट चौड़ी और छह फीट ऊंची विंटेज कार बुगाटी टाइप 41 का माडल बनाकर यह रिकार्ड अपने नाम किया है। (जासं)

फाइलेरिया दवा के लिए कैंप

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के पुराने और द्वितीय परिसर के आरोग्य भवन में मंगलवार को फाइलेरिया मुक्ति अभियान के तहत दवा सेवन शिविर लगाया गया। जिला स्वास्थ्य समिति के सहयोग से लगे इस शिविर में एनसीसी कैडेट, छात्र-छात्राओं एवं विदेशी छात्रों, कर्मचारियों एवं शिक्षकों सहित 465 लोगों ने दवा का सेवन किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, जिला मलेरिया अधिकारी डा. ऋतु श्रीवास्तव, डा. कुसुम यादव, कार्य अधीक्षक डा. दुर्गेश श्रीवास्तव, विधि संकाय के डीन प्रो. बी डी सिंह, चिकित्सा अधिकारी डा. मुकुल चंद्रा भी उपस्थित रहे। (जासं)

28 को खुला रहेगा संग्रहालय

लखनऊ : राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी को लखनऊ विश्वविद्यालय के जूलाजी विभाग में शोधार्थियों के लिए पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। विभागाध्यक्ष प्रो. एम सेराजुद्दीन ने बताया कि उस दिन विभागीय संग्रहालय सुबह 10 से शाम पांच बजे तक सभी शिक्षण संस्थानों के लिए खुला रहेगा। (जासं)

JAGRAN CITY PAGE III

स्नातक पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने 23 फरवरी से शुरू होने वाली स्नातक विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के प्रवेश पत्र मंगलवार शाम को जारी कर दिए। बीए, बीकाम, बीकाम आनर्स पांचवें, बीबीए, बीबीए आइबी व बीबीए एमएस पांचवें सेमेस्टर के विद्यार्थी अपने प्रवेश पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in के माध्यम से डाउनलोड कर सकते हैं। पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं राजधानी में बने परीक्षा केंद्रों पर ही होनी है। इसमें करीब 50 हजार परीक्षार्थी शामिल होने के लिए पंजीकृत हैं।

इस बार विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के आनलाइन फार्म भरने में विद्यार्थियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। ऐसे में कई छात्रों के फार्म में विषय, पिता के नाम में गड़बड़ी हो गई, जिसे ठीक कराने के लिए वे मंगलवार को परीक्षा नियंत्रक कार्यालय पहुंचे। उसका समाधान किया गया। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि स्नातक विषम सेमेस्टर की जो परीक्षाएं 27 फरवरी से शुरू होंगी, उनके प्रवेश पत्र 25 फरवरी तक जारी कर दिए जाएंगे।

बीएएमएस की परीक्षाएं दो मार्च से : लखनऊ विश्वविद्यालय ने आयुर्वेद संकाय के अंतर्गत संचालित बीएएमएस प्रथम, द्वितीय, तृतीय व अंतिम प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया। यह परीक्षाएं दो से 27 मार्च तक होंगी। छात्र-छात्राएं विस्तृत कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से देख सकते हैं।

एलएलबी की परीक्षा में धरे गए तीन नकलची

लखनऊ विश्वविद्यालय में एलएलबी की परीक्षा के दौरान मंगलवार को तीन परीक्षार्थी पर्चियों के साथ धरे गए। अलग-अलग सचल दल ने सुबह और शाम की पाली में विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर का दौरा किया। इस दौरान दोनों पालियों में एक-एक छात्र के पास पर्चियां मिलीं। इसके अलावा एक अन्य केंद्र पर सुबह एक छात्र परीक्षार्थी नकल करते पकड़ा गया। तीनों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक दोनों पालियों में 16 हजार तीन परीक्षार्थी शामिल हुए। इनमें 127 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

समान परीक्षा शुल्क लागू न करने पर प्रदर्शन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) में एक समान परीक्षा शुल्क लागू न होने से नाराज नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन आफ इंडिया (एनएसयूआइ) के पदाधिकारियों ने मंगलवार को प्रशासनिक भवन पर विरोध प्रदर्शन किया। छात्र नेताओं का कहना था कि शासन ने जुलाई में इसका आदेश जारी कर दिया था, फिर भी सात महीने बाद लागू नहीं किया जा सका। चीफ प्राक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी ने छात्र नेताओं को समझा कर कुलसचिव से मिलवाया। छात्र नेताओं ने उन्हें ज्ञापन देकर इसे लागू करने की मांग की।

विशेष सचिव मनोज कुमार की ओर से 11 जुलाई 2022 को लवि सहित सभी राज्य विश्वविद्यालयों में बीए, बीएससी, बीकाम, बीबीए, बीसीए सहित विभिन्न कोर्सों में एक समान परीक्षा शुल्क तय करते हुए आदेश जारी किया गया था। लवि ने इसे लागू करने से पहले एक कमेटी बना दी, लेकिन अब तक कमेटी की रिपोर्ट न आने से इस पर फैसला नहीं हो पाया। एनएसयूआइ के शहर अध्यक्ष प्रिंस प्रकाश व विशाल सिंह का कहना है कि एक समान परीक्षा शुल्क लागू न होने से विद्यार्थियों को पुराना परीक्षा शुल्क ही देना पड़ रहा है, जो कि अधिक है। प्रदर्शन में शुभम खरवार, अंकुश चौहान, अरसलान, अमित यादव, गोपी चंद्र, शिवम, विराट शेखर, लावण्या, आदित्य, अमितेश मौजूद रहे।

> एक समान परीक्षा शुल्क को लेकर लवि दो बैठक कर चुका है। कुछ कालेज कोर्ट चले गए हैं। वहां से जो भी निर्देश आएंगे, उस पर निर्णय लिया जाएगा।
> -संजय मेधावी, कुलसचिव, लखनऊ विश्वविद्यालय

दुनिया सुंदर भाषाओं का गुलदस्ता

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के आफिस फार इंटरनेशनल अफेयर्स की ओर से मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। इसमें लवि में पढ़ने वाले विदेशी छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में मातृभाषा एक साझी विरासत विषय पर गोष्ठी भी हुई, जिसमें विदेशी छात्रों ने मातृभाषा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा एवं प्रस्तुतीकरण दिया।
कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से शुरू हुआ। अफगानिस्तान के छात्र एलहाम ने लोक गीत प्रस्तुत किया। इसी देश के छात्र गुल अहमद ने कहा कि दुनिया सुंदर भाषाओं का एक गुलदस्ता है। मारीशस की नंदिनी जोमुख, अफगानिस्तान के मुल्ला सलंगी, तजाकिस्तान के खोदाजेव इस्कंदर, मोहम्मद मोहसिन, लेसोथो की मत्लान्का जस्तिना शामिल हुए। कुलपति प्रो. आलोक राय ने सभी को बधाई दी। यहां डीन एकेडमिक प्रो. पूनम टंडन, प्रो. आर पी सिंह उपस्थित रहे।

यहां भी आयोजन : हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने हिंदी की विविध बोलियों अवधी, भोजपुरी, मैथिली, ब्रज और कुमाऊनी में स्वरचित गीतों, लोकगीतों के साथ लोक कथाओं का वाचन किया।

'पंजाबियों की बोलचाल से दूर न हो पंजाबी'

पंजाबियों की सामान्य बोलचाल से पंजाबी दूर नहीं होनी चाहिए। मंगलवार को महाराजा जस्सा सिंह हाल गुरुद्वारा भाई लालोजी वीआइपी रोड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर जोर दिया गया। आजाद लेखक और कवि सभा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में नाटक और कविता पाठ भी हुआ। नाटक का मंचन रंगकर्मी सरदार आतमजीत सिंह और सरबजीत सिंह की टीम ने किया। डा. दलबीर सिंह, डा. सत्येंद्र पाल सिंह, सरदार सुरिंदर पाल सिंह, सरदार दविंदर पाल सिंह बग्गा ने पंजाबी बोली के विषय में बताया। मनमोहन सिंह और अजीत सिंह ने पंजाबी में ही कविता पाठ किया।

AMRIT VICHAR PAGE 4

आयोजन | लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने मनाया मातृभाषा दिवस

कोई सपना है तो उसे आज ही पूरा करें : जस्तिना

कार्यालय संवाददाता

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर ऑफिस फॉर इंटरनेशनल अफेयर्स की ओर से मातृभाषा एक साझी विरासत विषयक एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में लखनऊ विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विदेशी छात्रों ने मातृभाषा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। लेसोथो की विदेशी छात्रा जस्तिना ने कहा कि यदि हमारे पास आज कोई सपना है तो उसे आज ही पूरा करें।

मंगलवार को अंतरर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर आयोजित इस संगोष्ठी को संबोधित करते हुए लेसोथो की जस्तिना ने कहा की यदि हमारे पास आज कोई सपना है तो उसे आज ही पूरा करें, कल के लिए इसे टालने में इसे कल की परेशानियों से जूझना पड़ेगा। अफगानिस्तान के गुल अहमद कहते है की दुनिया सुंदर भाषाओं का एक गुलदस्ता है। भाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान का एक सशक्त माध्यम होता है। मॉरिशस की नंदिनी जोमुख का मानना है कि मातृभाषा के साथ-साथ अंग्रेजी जैसी संपर्क भाषा के साथ समन्वय वैश्विक आवश्यकता है। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को बधाई देते हुए कहा मातृभाषा हमें स्वयं से जोड़ती है और यह विभिन्न अवसरों पर स्वयं से संवाद करने का माध्यम बनती है। इसके मानक, प्रतिमान और सूत्र मानवता के सार्वभौम मूल्यों को जागृत किये रखते हैं, और इसके प्रति प्रेम हमें जहां एक और अपने राष्ट्रीय कर्तव्यों के लिए सजग और प्रेरित रखता है।

रजा उत्सव मनाया गया

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र विभाग में चित्रकार सैयद हैदर रजा के जन्मदिवस रजा उत्सव मनाया गया। जन्म दिवस की पूर्व संध्या पर रजा फाउंडेशन के सहयोग से कविता पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. रजनी श्रीवास्तव ने लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र विभाग के गौरवशाली इतिहास और उपलब्धियों के परिचय से अवगत कराया। इस अवसर पर मौजूद प्रसिद्ध कवि नरेश सक्सेना ने अपनी कविताएं सुनाई। पूनम सिंह, संध्या सिंह, सुभाष राय, अनिल त्रिपाठी ने भी अपनी कविताओं से श्रोताओं का मनोरंजन किया। वहीं विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ इसमें भाग लिया। विभाग के सभी शिक्षक कार्यक्रम मे उपस्थित रहे।

लविवि : बीएएमएस की परीक्षाएं दो मार्च से

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि) के आयुर्वेद संकाय की बीएएमएस व एमडी की परीक्षा का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। यह परीक्षाएं दो मार्च से 25 अप्रैल तक होंगी।

लविवि के परीक्षा नियंत्रक विधा नंद त्रिपाठी ने बताया कि बीएएमएस के प्रथम, द्वितीय व तृतीय और अंतिम वर्ष सभी की परीक्षाएं दो मार्च से शुरू होंगी। जो 25 अप्रैल तक संपन्न करा ली जाएंगी। उन्होंने बताया कि अंतिम वर्ष के एमडी परीक्षाओं का भी कार्यक्रम तय है। उन्होंने बताया कि छात्र परीक्षा संबंधी जानकारी के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय की बेवसाइट पर अपडेट देख सकते हैं।

लविविः फाइलेरिया दवा सेवन कैम्प लगाया

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि) के दोनों परिसर के आरोग्य भवन मे फाइलेरिया मुक्ति अभियान के तहत फायलेरिया दवा सेवन कैम्प लगाया गया। यह कैंप कुलपति प्रो. अलोक कुमार राय के नेतृत्व में भारत सरकार के स्वस्थ्य व परिवार कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के जिला स्वास्थ्य समिति के सहयोग से लगाया गया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण, प्रो. पूनम टंडन के मार्गदर्शन मे आयोजित इस कैम्प का उद्घाटन लखनऊ जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. ऋतु श्रीवास्तव ने किया। उन्होंने बताया कि कैम्प मे एनसीसी कैडेट, छात्र-छात्राओं व शिक्षकों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और दवा का सेवन करवाया गया।

i-NEXT PAGE 3

बीएएमएस की परीक्षाएं दो मार्च से

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय ने आयुर्वेद संकाय के अंतर्गत संचालित बीएएमएस प्रथम, द्वितीय, तृतीय व अंतिम प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया. यह परीक्षाएं दो से 27 मार्च तक होंगी. छात्र-छात्राएं विस्तृत कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से देख सकते हैं.

कुलपति ने दी छात्र को बधाई

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय के कला एवं शिल्प महाविद्यालय में एमवीए प्रथम सेमेस्टर मूर्तिकला के छात्र शिवम सिंह को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इंडिया बुक आफ रिकार्ड बनाने पर बधाई दी. शिवम ने 200 किलो थर्माकोल से 20 फीट लंबी, सात फीट चौड़ी और छह फीट ऊंची विंटेज कार बुगाटी टाइप 41 का माडल बनाकर यह रिकार्ड अपने नाम किया है.

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

एलयू के विदेशी छात्रों ने मनाया मातृभाषा दिवस

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के ऑफिस फॉर इंटरनेशनल अफेयर्स द्वारा मातृभाषा एक सांझी विरासत विषयक एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में लखनऊ विश्वविद्याय में अध्ययनरत विदेशी छात्रों ने मातृभाषा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा एवं प्रस्तुतीकरण दिया। प्रत्येक प्रतिभागी ने मातृभाषा के सुभाषित एवं प्रमुख साहित्यिक रचनाओं पर चर्चा की।आयोजन में प्रमुख रूप से मातृभाषा में संचार की सुगमता एवं भाषायी आत्मीयता के तथ्य लगभग सभी प्रतिभागियों की चर्चा में दिखे। प्रमुख रूप से मॉरिशस की नंदिनी जोमुख, अफ़ग़ानिस्तान के अहमद गुल, मुल्ला सलंगी, ताजीकिस्तान के खोदाजेव इस्कंदर, मोहम्मद मोहसीन, ज़मीरा, तखमीना, लेसोथो की मत्लान्का जस्तिना, गैम्बिया के अल्हागी ओस्मान जल्लोव, मलावी के लेविसन नायसुला, नामीबिया की सेल्मा मुलुंगा, श्रीलंका के अमीन्दा अंजना, बांग्लादेश के मोहम्मद ओहिदुर ज़मान, लखनऊ विश्वविद्यालय के भारतीय छात्र हिमांशु सिंह आदि ने प्रतिभाग किया। लेसोथो की जस्तिना ने कहा कि यदि हमारे पास आज कोई सपना है तो उसे आज ही पूरा करें, कल के लिए इसे टालने में कल की परेशानियों से जूझना पड़ेगा। अफ़ग़ानिस्तान के गुल अहमद कहते हैं कि दुनिया सुंदर भाषाओं का एक गुलदस्ता है। भाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान का एक सशक्त माध्यम होता है। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को बधाई देते हुए अपने संदेश में कहा कि मातृभाषा हमें स्वयं से जोड़ती हैं और यह विभिन्न अवसरों पर स्वयं से संवाद करने का माध्यम बनती है।

एलयू में कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट विषय पर व्याख्यान

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। बी.एन. चटर्जी व्याख्यान श्रृंखला को प्रारंभ करने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के व्याहारिक अर्थशास्त्र विभाग द्वारा मंगलवार को कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट फॉर सस्टैनेड सक्सेस विषय पर एक उद्घाटन व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह प्रारम्भिक व्याख्यान कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा दिया गया। सत्र की शुरुआत कुलपति और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। प्रो. रचना मुजू विभागाध्यक्ष व्याहारिक अर्थशास्त्र ने कुलपति और सभी गणमान्य व्यक्तियों, शिक्षकों, छात्रों और स्टाफ सदस्यों का स्वागत किया। अपने व्याख्यान में, प्रो. राय ने प्रारम्भ में छात्रों के लिए ग्राहक संबंध प्रबंधन की अवधारणा प्रस्तुत की। उन्होंने ग्राहक निकटता की भूमिका पर जोर दिया और ग्राहक की मांग और क्रय व्यवहार को प्रभावित करने वाली विभिन्न विपणन रणनीतियों के साथ-साथ ग्राहक और बाजार के बीच संबंधों पर चर्चा की। एक संक्षिप्त अवलोकन के बाद प्रो. राय ने ग्राहकों को प्रभावित करने और आकर्षित करने के लिए कोक-पेप्सी शीत प्रतिस्पर्धा और ऑडी-बीएमडब्ल्यू के लघु वीडियो क्लिप साझा करके व्यवसाय की चुनौतियों और ब्रांड तुलना रणनीतियों का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर डीन एकेडमिक प्रो. पूनम टंडन, रजिस्ट्रार प्रो. संजय मेधावी, चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रो. विनीता काचर, ओएसडी, आईएमएस एवंम अन्य विभागों के अध्यक्ष. शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता में बुशरा और नशरा ने जीता प्रथम पुस्कार

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। पांच जनपदों के अंतर महाविद्यालय युवा महोत्सव में आयोजित तमाम प्रतियोगिताओं में से एक बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता में राजधानी के शिया पीजी कालेज में एलएलबी अंतिम वर्ष की दो छात्रों में नशरा अंसारी और बुशरा अंसारी ने जिला स्तर पर प्रथम स्थान हासिल करते हुए पूरे प्रदेश में लखनऊ का नाम रोशन किया। इसके पश्चात लविवि के मालवीय सभागार में इस युवा महोत्सव के समापन समारोह में लखनऊ के तालकटोरा निवासी दो सगी बहनें नशरा और बुशरा को लविवि में सम्मानित किया गया। जिसके बाद शिया कालेज के सभी शिक्षकों और उनके अभिभावकों समेत मित्रों ने उन्हें इस उपलब्धि के लिए बहुत बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए कामना की है।

VoL PAGE 6

लविवि में लगा फायलेरिया दवा सेवन कैम्प

लखनऊ। लविवि के दोनों परिसर के आरोग्य भवन में फायलेरिया मुक्ति अभियान के तहत फायलेरिया दवा सेवन कैम्प मंगलवार को लगाया गया। यह कैम्प कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में भारत सरकार के स्वस्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग और उत्तर प्रदेश सरकार के जिला स्वास्थ्य समिति के सहयोग से संपन्न हुआ। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन के मार्गदर्शन में आयोजित इस कैम्प का उद्घाटन लखनऊ जिला मलेरिया अधिकारी डा. ऋतु श्रीवास्तव ने किया। कैम्प में एनसीसी कैडेट, छात्र-छात्राओं एवं विदेशी छात्रों, कर्मचारियों-शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और दवा का सेवन करवाया गया। डा. कुसुम यादव, कार्य अधीक्षक डा. दुर्गेश श्रीवास्तव, डीन लॉ संकाय प्रो. बीडी सिंह, चिकित्सा अधिकारी डा. मुकुल चंद्रा सहित कुल 340 व्यक्तियों ने मुख्य परिसर और 125 व्यक्तियों ने द्वितीय परिसर में दवा का सेवन कराया गया जिससे फाइलेरिया को रोका सकता है।

कुलपति ने बिजनेस में सफलता के लिए ग्राहक से संबंध पर दिया मंत्र

लखनऊ। लविवि के व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग में मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट फॉर सस्टैनेड सक्सेस पर व्याख्यान देकर बीएन चटर्जी व्याख्यान श्रृंखला का उद्घाटन किया। उन्होंने ग्राहक निकटता की भूमिका, ग्राहक की मांग, क्रय व्यवहार को प्रभावित करने वाली विभिन्न विपणन रणनीतियों और ग्राहक व बाजार के बीच संबंधों पर चर्चा की। साथ ही कुलपति ने ग्राहकों को प्रभावित और आकर्षित करने के लिए लघु वीडियो क्लिप साझा करके व्यवसाय की चुनौतियों और ब्रांड तुलना रणनीतियों का प्रदर्शन किया। इस मौके पर विभागाध्यक्ष प्रो. रचना मुजू सहित अन्य शिक्षक व छात्र उपस्थित रहे।

LOK SATYA PAGE 3

ग्राहक-बाजार के बीच संबंधों पर चर्चा

व्याख्यान
- लखनऊ यूनिवर्सिटी में हुए कार्यक्रम

लखनऊ, लोकसत्य

बीएन चटर्जी व्याख्यान श्रृंखला की शुरुआत के लिए एलयू के व्याहारिक अर्थशास्त्र विभाग में कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट फॉर सस्टैनेड सक्सेस विषयक व्याख्यान का उद्घाटन हुआ। व्याख्यान कुलपति प्रो अलोक कुमार राय ने दिया। प्रो रचना मुजू विभागाध्यक्ष व्याहारिक अर्थशास्त्र ने सबका स्वागत किया।

संयोजक प्रो अनूप कुमार सिंह ने प्रो आलोक कुमार राय का स्वागत किया। प्रो आलोक राय ने स्टूडेंट्स के लिए ग्राहक संबंध प्रबंधन की अवधारणा प्रस्तुत की। उन्होंने ग्राहक निकटता की भूमिका पर जोर दिया और ग्राहक की मांग और क्रय व्यवहार को प्रभावित करने वाली विभिन्न विपणन रणनीतियों के साथ ग्राहक और बाजार के बीच संबंधों पर भी चर्चा की। कोक-पेप्सी शीत प्रतिस्पर्धा और ऑडी-बीएमडब्ल्यू के लघु वीडियो क्लिप साझा करके व्यवसाय की चुनौतियों और ब्रांड तुलना रणनीतियों का प्रदर्शन किया। अपने व्याख्यान में, उन्होंने व्यवसाय के लिए ग्राहक जीवनकाल मूल्य का अनुमान लगाने के लिए एक गणितीय एल्गोरिथ्म प्रस्तुत किया। ताकि यह उस आधार पर सेवाएं प्रदान करने में सहायता करें।

फाइलेरिया की दवा खिलाई

लखनऊ यूनिवर्सिटी के दोनों परिसर के आरोग्य भवन में फायलेरिया मुक्ति अभियान के तहत फायलेरिया दवा सेवन कैंप लगाया गया। कैंप भारत सरकार के स्वस्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के जिला स्वास्थ्य समिति के सहयोग से हुआ।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण, प्रो पूनम टंडन के मार्गदर्शन में आयोजित इस कैंप का उद्घाटन लखनऊ जिला मलेरिया अधिकारी डा. ऋतु श्रीवास्तव ने किया। कैंप में एनसीसी कैडेट, स्टूडेंटस ने भाग लिया। उन्हें फायलेरिया दवा का सेवन करवाया गया। डॉ कुसुम यादव, कार्य अधीक्षक डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव, डीन लॉ संकाय प्रो. बीडी सिंह, चिकित्सा अधिकारी डॉ मुकुल चंद्रा सहित 340 व्यक्तियों ने मुख्य परिसर तथा 125 व्यक्तियों ने द्वितीय परिसर में दवा का सेवन किया।

TRUE TIMES PAGE 2

कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट फॉर सस्टैनेड सक्सेस पर उद्घाटन व्याख्यान का आयोजन

ट्रू टाइम्स संवाददाता

बी.एन. चटर्जी व्याख्यान श्रृंखला को प्रारम्भ करने के लिए, व्याहारिक अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय ने 21 फरवरी, 2023 को 'कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट फॉर सस्टैनेड सक्सेस' पर एक उद्घाटन व्याख्यान का आयोजन कियाघ् यह प्रारम्भिक व्याख्यान कुलपति प्रोफेसर अलोक कुमार राय द्वारा दिया गया । सत्र की शुरुआत माननीय कुलपति और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। प्रोफेसर रचना मुजू विभागाध्यक्ष व्याहारिक अर्थशास्त्र ने कुलपति और सभी गणमान्य व्यक्तियों, शिक्षकों, छात्रों और स्टाफ सदस्यों का स्वागत किया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो अनूप कुमार सिंह ने प्रो आलोक कुमार राय को पुष्पगुच्छ भेंट किया।

अपने व्याख्यान में, प्रोफेसर राय ने प्रारम्भ में छात्रों के लिए ग्राहक संबंध प्रबंधन की अवधारणा प्रस्तुत की। उन्होंने ग्राहक निकटता की भूमिका पर जोर दिया और ग्राहक की मांग और क्रय व्यवहार को प्रभावित करने वाली विभिन्न विपणन रणनीतियों के साथ-साथ ग्राहक और बाजार के बीच संबंधों पर भी चर्चा की। एक संक्षिप्त अवलोकन के बाद प्रोफेसर राय ने ग्राहकों को प्रभावित करने और आकर्षित करने के लिए कोक-पेप्सी शीत प्रतिस्पर्धा और ऑडी-बीएमडब्ल्यू के लघु वीडियो क्लिप साझा करके व्यवसाय की चुनौतियों और ब्रांड तुलना रणनीतियों का प्रदर्शन किया। अपने व्याख्यान में, उन्होंने व्यवसाय के लिए ग्राहक जीवनकाल मूल्य का अनुमान लगाने के लिए एक गणितीय एल्गोरिथ्म प्रस्तुत किया ताकि यह उस आधार पर सेवाएं प्रदान करने में सहायतघ् करें । उन्होंने अंत में एक संस्थान में छात्रों के साथ संबंधों के महत्व पर जोर देकर अपने सत्र का समापन किया। सत्र का समापन प्रोफेसर अर्चना सिंह व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दिए गए औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

इस अवसर पर प्रोफेसर पूनम टंडन, डीन एकेडमिक; प्रोफेसर संजय मेधावी, रजिस्ट्रार; प्रोफेसर राकेश द्विवेदी, चीफ प्रॉक्टर; प्रोफेसर विनीता काचर, ओएसडी, आईएमएस एवंम अन्य विभागों के अध्यक्ष, शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

HT PAGE 3

INT'L STUDENTS AT LU DISCUSS IMPORTANCE OF MOTHER TONGUE

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW : Youngsters from abroad pursuing education at the University of Lucknow convened to discuss the importance of mother tongue during a meeting organised on the occasion of International Mother Language Day by the varsity on Tuesday.

The 30 participants shared their ideas of humanitarian values enshrined in their mother tongue and recited statements of global importance in their own languages.

Vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai observed that mother tongue connected one from the self.